अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद् के 35वें राष्ट्रीय अधिवेशन की रिपोर्ट

अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद् का 35वॉ राष्ट्रीय अधिवेशन सिद्धगिरि मठ, कनेरी, कोल्हापुर में दिनांक 3 अप्रैल 2016 से 5 अप्रैल 2016 के बीच सम्पन्न हुआ। इसका उद्घाटन कनेरी मठ, कोल्हापुर में दिनांक 3 अप्रैल 2016 को ठीक सुबह 10 बजे माननीय श्री श्रीपद नायक, आयुष मंत्री, भारत सरकार के कर कमलों द्वारा हुआ। केन्द्रीय मंत्री श्री नायक के अतिरिक्त सिद्ध गिरि मठ, कनेरी के परमपूजनीय काडसिद्धेश्वर स्वामी व स्थानीय सांसद धनंजय महाडिक और अन्य अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मंच पर अन्य विभूतियों में गांधी हिन्दुस्तानी साहित्य सभा की मंत्री कुसुम साह बहन, वरिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक डा. सच्चिदानंद व डा. डी जी शेंद्रे और अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद् के महामंत्री डा अवधेश मिश्रा उपस्थित थे। श्री नायक ने अपने भाषण में गलत जीवनशैली और गलत आहार विहार को सभी व्याधियों का कारण बताया और कहा कि सरकार योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज 21 मई को सारे विश्व में योग दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। सम्मेलन में इस दिशा में हो रहे अ–सरकारी प्रयासों की सराहना की गई और इस बात पर बल दिया गया कि केवल सरकार के भरोसे से काम नही चलेगा बल्कि लोगों को स्वंय ही स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली में सुधार और निसर्गोपचार की पद्धति को अपनाना होगा। अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामी ने कहा कि मनुष्य के मन और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नैसर्गिक उपचार पद्धति ही सर्वोत्तम पद्धति है। सम्मेलन में इस बात पर हर्ष व्यक्त किया गया कि प्राकृतिक चिकित्सा परिषद् का यह कार्यक्रम सिद्धगिरि मठ के नैसर्गिक वातावरण में हो रहा है। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री जी ने अपने करकमलों से परिषद् की वैबसाइट का उदघाटन भी किया।
उद्घाटन सत्र में मंच संचालन संयुक्त रूप से डा अरविन्द त्यागी व श्री अमित हुक्केरीकर ने किया।

डा. अवधेश मिश्रा ने सूचित किया कि परिषद के अध्यक्ष श्री केयूर भूषण अस्वस्थता के कारण सम्मेलन में शामिल नही हो पाए हैं परंतु परिषद के अध्यक्ष जी ने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभ कामना संदेश भेजा है। डा मिश्रा ने परिषद के अध्यक्ष का संदेश पढकर सुनाया जिस पर सभी प्रतिभागियों ने तालियां बजाकर हर्षध्वनि की।

अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद् का 35वॉ राष्ट्रीय अधिवेशन परिषद एवं सिद्धगिरि मठ, कनेरी, कोल्हापुर के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिन तक चला। दिनांक 3 अप्रैल 2016 को माननीय श्री श्रीपद नायक, आयुष मंत्री, भारत सरकार के द्वारा कार्यक्रम के उदघाटन के बाद विभिन्न सत्रों में अलग –अलग विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। **चिकित्सा जगत की चुनौतियां एवं समाधान** विषय पर डा सच्चिदानंद जी की अध्यक्षता में हुए सत्र में स्वामी शंकरानन्द, डा एन एन महरात्रा, डा शेंद्रे, डा पंकज शुक्ला एवं डा शिवनाथ त्रिपाठी ने अपने अपने विचार रखे। इस सत्र में डा अर्जुन पाण्डे, डा के एस रावत, डा अवधेश मिश्रा एवं डा भारती ने भी संबधित विषय पर अपने अपने विचार रखे।

प्राकृतिक चिकित्सा कैसे चले और बढ़े विषय पर सम्मेलन में अनेक प्रतिभागियों ने अपनी बात रखी। इस सत्र की अध्यक्षता श्री दिनेश मिश्रा ने की एवं उपाध्यक्षता सुश्री कुसुम बहन ने की। श्री छगन लाल सोनवानी ने अपने अनुभव बांटे और मंच संचालन डा अरविंद त्यागी ने किया। अन्य वक्ताओं में श्री नरेन्द्र कठारे, डा हरीश अवस्थी, श्री मोहन लाल, श्री जोगी राम माली, सुश्री पुष्पा भारती, डा विनोद शाही एवं डा सुशांत शामिल थे।

4 अप्रैल को प्रथम सत्र में **आहार व उपवास** पर चर्चा हुई और उसके बाद **वैज्ञानिक सत्र** का आयोजन हुआ। वैज्ञानिक सत्र की अध्य क्षत डा विनोद ने की। डा भारती, डा सच्चिदानंद, श्री रामचन्द्र राही, श्री श्रीभगवान चौपइयावाला, श्री अरूण मदनसुरे एवं सुश्री पुष्पा शेंद्रे ने अपने अपने विचार रखे।

4 अप्रैल को ही **स्मृति व्याख्यान** का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता डा प्रबोध ने की एवं मुख्य व्याख्यान परमपूज्य काडसिद्धेश्वर स्वामी जी ने दिया। स्वामी जी ने स्वास्थ्य परंपराओं का वर्णन करते हुए जैविक खेती पर बल दिया और कहा कि शुद्ध खान पान से जीवन भर निरोगी रह कर सदकार्य करते हुए जीवन बिताना ही मनुष्य के लिए उत्तम है। अन्य वक्ताओं में श्री रामचंद्र राही ने गांधी जी के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। डा सच्चिदानन्द एवं श्री बसंत ने भी इस सत्र में अपनी बात रखी।
5 अप्रैल को परिषद की आम सभा हुई। सर्वप्रथम डा अवधेश मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को परिषद के महामंत्री डा अयोध्या प्रसाद मिश्रा के निधन का दुखद समाचार दिया। आम सभा में उन्हे श्रद्धांजली देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। आम सभा में डा अवधेश मिश्रा ने परिषद के कियाकलापों की जानकारी दी तथा सभी सदस्यों की शिकायतों का समाधान किया गया। भविष्य की योजनाओं के बारे में भी सदस्यों को जानकारी दी गई। सभा में कुछ संकल्प पारित किए गए व अगले वर्ष आम सभा के स्थान चयन के लिए प्रतिभागियों से

सुझाव मांगे गए।

सभी के लिए एक खुला सत्र एवं पूरे देश मे योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की दशा व दिशा पर चिंतन हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे। अन्त में समापन सत्र एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्राकृतिक चिकित्सकों का सम्मान समारोह हुआ। प्रतिभागियों को प्रशस्ति–पत्र प्रदान किए गए एवं स्मारिका का विमोचन किया गया।

इसके साथ ही परिषद के महासम्मेलन के समापन की घोषणा की गई।

डा. अवधेश मिश्र
महामंत्री
अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद्
मोबाइलः 09336585213